Formative Assessment 1

Tool 1: Student's Participation & Reflections

5 Marks

5

पुस्तक समीक्षा – 1 (F.A-1) 2025-26

छात्र का नाम	:_____
कक्षा	: 8
विषय	: हिंदी
पुस्तक का नाम	: पंचतंत्र – खंड – 5
कहानियों की संख्या	: 6
लेखक	: श्री योगेश जोशी
मूल्य	: 60 /-
पृष्ठों की संख्या	: 30
पब्लिशर	: नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड, मुंबई
पात्र	: चूहा, शेर, गधा, साँप, बंदर आदि।
मुख्य विषय	: इस पुस्तक में रोचक और नीतिपरक कहानियाँ दी गयी हैं। हर कहानी हमें नैतिक मूल्य सिखाते हुए समाज में सुरक्षा, समृद्धि और आनंद से जीने का तरीका सिखती है।
शिक्षा	: मनुष्य के जीवन में अच्छा – बुरा होता ही रहता है। इस से कभी भी निराश नहीं होना चाहिए। ज्ञान ही मनुष्य की तीसरी आँख है।
मेरी राय	: प्राचीन काल से ही ये पंचतंत्र कहानियाँ शिक्षाप्रद, ज्ञानप्रद और बुद्धिमत्ता से परिपूर्ण है। ये मानव स्वभाव के विभिन्न पहेलुओं पर प्रकाश डालती है। इस पुस्तक की 6 कहानियाँ बच्चों और बड़ों को भी उपयोगी हैं .।
स्टार रेटिंग	: ★★★★★

https://hamari-hindi.com

https://hamari-hindi.com

Tool 2: Written Work (Notebooks, Homework, etc.)

5 Marks — 5

- छात्र ने नियमित रूप से कक्षा कार्य, गृहकार्य आदि दिखाये हैं।
- लिखावट और प्रस्तुति अच्छी हैं।
- सभी कार्य समय पर पूरे किये गये हैं। लेखन साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित है।

इस स्थान पर, शिक्षक मूल्यांकन करते समय **छात्र** के लिखित कार्य के आधार पर संक्षिप्त टिप्पणी (remarks) लिख सकते हैं। नीचे कुछ **उदाहरण टिप्पणियाँ** दी जा रही हैं जो उस बॉक्स में लिखी जा सकती हैं।

☑ **पूर्णांक (5/5) मिलने पर:**

- **छात्र ने नियमित रूप से कक्षा कार्य व गृहकार्य प्रस्तुत किया है। कार्य सुव्यवस्थित व सुंदर है।**
- **सभी कार्य समय पर पूरे किये गये हैं। लेखन साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित है।**
- **नियमितता एवं सजगता सराहनीय है।**

☑ **यदि 4/5 मिलने पर:**

- **अधिकांश कार्य समय पर किए गये हैं, किंतु कुछ सुधार की आवश्यकता है।**
- **लेखन अच्छा है, परंतु कार्य में थोड़ी और नियमितता अपेक्षित है।**

☑ **3/5 या कम अंक मिलने पर:**

- **कार्य में अनियमितता रही है, गृहकार्य अधूरा है। सुधार की आवश्यकता है।**
- **लेखन ठीक नहीं है, ध्यान देने की आवश्यकता है।**
- **कार्य समय पर नहीं प्रस्तुत किया गया है। नियमित अभ्यास आवश्यक है।**

Tool 3: Project work

5 Marks 5

परियोजना कार्य – 1 (F.A-1) 2025-26

छात्र का नाम	:
कक्षा	: 8
विषय	: हिंदी
पाठ का नाम	: तेनलीराम की चतुराई
परियोजना कार्य की संख्या	: 1 (F.A-1)
कार्य का आवंटन	: सामूहिक / वैयक्तिक
उपकरण	: ग्रंथालय की किताबें, पेंसिल, रबड, स्केचपेन्स, रंगीन चार्ट आदि।

https://hamari-hindi.com

तेनालीराम की कहानियाँ बहुत ही रोचक होती हैं। आप ऐसी ही एक कहानी संकलित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

तेनालीराम और अंगूठी चोर

एक समय की बात है। विजयनगर के राजा श्री कृष्णदेव राय अपने दरबार में बहुत उदास बैठे थे। उनकी कीमती रत्न जड़ी अंगूठी कहीं खो गई थी। राजा को शक था कि उनके अंगरक्षकों में से किसी ने अंगूठी चुराई है।

तेनालीराम ने राजा की परेशानी को समझा और एक योजना बनाई। उन्होंने सभी अंगरक्षकों को एक पंक्ति में खड़ा किया और कहा, "मेरे पास एक जादुई छड़ी है। यह छड़ी चोर को पहचान लेगी। जब मैं इस छड़ी को चोर के पास ले जाऊंगा, तो यह छड़ी लंबी हो जाएगी।"

सभी अंगरक्षक डर गए। तेनालीराम ने छड़ी को एक-एक करके सभी के पास ले जाना शुरू किया। जब छड़ी एक अंगरक्षक के पास पहुंची, तो वह अंगरक्षक बहुत घबरा गया और उसने तुरंत अंगूठी निकालकर राजा के सामने रख दी।

राजा कृष्णदेव राय तेनालीराम की बुद्धिमानी से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने तेनालीराम को इनाम दिया।

नीति : इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलता है कि बुद्धिमानी और चतुराई से किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकते है।.

https://hamari-hindi.com